(f) and (g) Yes, Sir. This is possible through the use of auto-cues that are used by certain Kendras. The time spent on the news reading varies depending upon the duration of the news bulletin concerned.

कुटीर ज्योति योजना

2619. डा० जितेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 5 दिसम्बर, 1992 के "फाइनेंशियल एक्सप्रैस" में "कुटीर ज्योति प्रोजेक्ट येट टू सी लाइट" नामक शीर्षक अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने प्रत्येक झोपड़ी को बिजली का कनैक्शन प्रदान करने की एक योजना को लागू करने का सुझाव दिया था ;

(ग) क्या सरकार ने इस सुझाव को क्रियान्वित करने के लिए कोई कार्यक्रम तैयार किया है ;

(घ) यदि हां, तो उसकी विस्तृत रूपरेखा क्या है; और

(ङ) यदि इस प्रकार को कोई कार्यक्रम नहीं बनाया गया है तो उसके क्या कारण हैं और इस कार्यक्रम को कब तक क्रियान्वित करने का विचार है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगय्या नायडू) : (क) जी, हां।

(ख) से (ङ) हरिजन एवं आदिवासी परिवारों सहित गरीबी रेखा से नीचे स्तर के ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार करने की दृष्टि से इन परिवारों को सिंगल प्वाइंट बिजली कनेक्शन प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा 1988-89 में "कुटीर-ज्योति" नामक कार्यक्रम आरंभ किया गया था । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत, राज्य सरकारों के रा०वि० बोर्डों को आर.ई.सी. के माध्यम से अनुदान के रूप में आंतरिक वायरिंग की वन-टाइम लागत एवं सर्विस कनेक्शन प्रभारों हेतु 200 रु० प्रति कनेक्शन की अधिकतम सहायता प्रदान की गई थी । 1989-90 में इस अनुदान की राशि को बढ़ा कर 220 रु० प्रति कनेक्शन कर दिया गया था । 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान, कोई अनुदान स्वीकृत नहीं किया गया था। इस कार्यक्रम के अन्तगत, मार्च, 1991 तक ग्रामीण गरीब परिवारों को एक मिलियन से भी अधिक कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं । सरकार द्वारा हाल ही में उक्त कार्यक्रम में संशोधन किया गया है और 1992-93 के दौरान 400 रु० प्रति कनेक्शन की अधिकतम अनुदान राशि सहित 1,885 लाख सिंगल प्वाइंट कनेक्शन प्रदान किए जाने की व्यवस्था की गई है ।

Supply of coal to thermal power plants

2620. SHRI RAMJI LAL: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether supply of coal to different thermal power plants in the country is satisfactory;

(b) if not, the details thereof in respect of each State during the last three years and upto February 28, 1993;

(c) what are the reasons therefor;

(d) whether the quality of such coal is upto the mark for power-generation; and

(e) if not, the steps taken or proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a)

to (c) the details of statewise linkage and receipt of coal in respect of utility thermal stations during the last three years upto February 1993 are given in the Statement at Annexure. [*See* Appendix CLXIV, Annexure No. 48.] Shortfall in supply of coal has resulted in generation loss of 8988, 10335 and 4130 million units during 1990-91, 1991-92 and 1992-93 (up to February, 1993) respectively.

(d) During the year 1991-92, 26 thermal power stations did not receive required grade of coal as per design parameters of their boilers, but received lower grades. Coal quality also suffered due to oversize and presence of extraneous materials.

(e) Coal Handling Plants, being installed at various collieries, will miprove quality fo coal by ensuring proper sized coal free from extraneous materials.

आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विद्युत उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति

2621. श्री राम नरेश यादव : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विद्युत उत्पादन के लिये निर्धारित लक्ष्य का कितने प्रतिशत भाग वर्ष 1993–94 के दौरान प्राप्त कर लिये जाने की संभावना है ; और

(ख) उत्तर प्रदेश में कितने मेगावाट अतिरिक्त विद्युत उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था और इस लक्ष्य को किस हद तक हासिल कर लिये जाने की संभावना है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैय्या नायडू) : (क) और (ख) वर्ष 1993–94 अभी आरम्भ नहीं हुआ है और इसलिये वर्ष के दौरान विद्युत उत्पादन संबंधी लक्ष्यों के संदर्भ में संभावित उपलब्धि का अनुमान लगा पाना संभव नहीं है । 8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्तर प्रदेश में राज्य क्षेत्र तथा केन्द्रीय क्षेत्र में लगभग 4500 मे.वा. की अतिरिक्त विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

ADB loan for energy conservations

2622. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of POWER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 114 given in the Rajya Sabha on the 23rd February, 1933 and state:

(a) what are the terms and conditions under which the existing loan assistance was given by Asian Development Bank for an energy conservation and environment improvement project; and

(b) what is the extent to which the energy conservation target is likely to be achieved thereby?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) The loan from the ADB will have a repayment period of 20 years including a grace period of 5 years and will carry an interest rate to be determined in accordance with the Bank's pool based variable lending rate system which is at present 6.63 percent per annum.

(b) Approximately 1,17,250 tonnes of fuel oil per year is expected to be saved from the projects to be financed as a result of this loan in addition to other benefits.